No. of Printed Pages : 6 **BHMCT–108**

B. A. (PERFORMING ARTS)
HINDUSTANI MUSIC (HONS.)
(BAPFHMH)
Term-End Examination
June, 2026

BHMCT-108 : STUDY OF TREATISES, GHARANAS AND ELEMENTARY KARNATAK MUSIC

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any* ***ten*** *questions of the following. Each question carries* ***10*** *marks.* 10×10=100

1. Discuss in detail about the differences in the Karnatak and Hindustani Music.
2. Elaborate on the evolution of Karnatak Music in Medieval India.
3. Discuss in detail about the Sooladi Sapta Taalas.

4. Give an account of the contributions of the following theorists in the development of Karnatak Music :

   (a) Venkatamakhi

   (b) Subburama Dikshitar

5. Write comprehensively about the contributions of Vaggeyakaras in enrichment of the repertoire of Karnatak Music.
6. Describe the contribution of Vidushi Sumati Mutatkar in propagating Indian Classical Music.
7. Elaborate on the life and musical journey of Pt. Ravi Shankar.
8. Discuss the contents of the medieval treatise Chaturdandi Prakashika.
9. Give brief descriptions of the Ragas Bihag and Kedar.
10. Discuss about the style of singing of Ustad Ameer Khan and line contribution to Hindustani Music.

11. Write a brief detail and Theka of the Taals– Dhamar and Ada Choutal.

12. Give a detailed life sketch of Vidushi Gangu Bai Hangal.

BHMCT–108

बी. ए. (प्रदर्शन कला) हिन्दुस्तानी संगीत (ऑनर्स)

(बी. ए. पी. एफ. एच. एम. एच.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2026

बी.एच.एम.सी.टी.-108 : ग्रन्थों, घरानों तथा प्राथमिक कर्णाटक संगीत का अध्ययन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *नीचे दिये गये प्रश्नों में से किन्हीं **दस** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।*

*प्रत्येक प्रश्न **10** अंक का है।* 10×10=100

---

1. कर्णाटक तथा हिन्दुस्तानी संगीत के बीच की पृथकता के बारे में विस्तार से चर्चा कीजिए।
2. मध्यकालीन भारत में हुए कर्णाटक संगीत के विकास के संबन्ध में विस्तृत चर्चा कीजिए।

3. सूलादि सप्त तालों के बारे विस्तृत रूप से बताइये।

4. निम्नलिखित शास्त्रकारों का कर्णाटक संगीत में योगदानों का विस्तृत विवरण दीजिए :

(क) वेंकटमखी

(ख) सुब्बुरामा दीक्षितर

5. विभिन्न वाग्गेयकारों का कर्णाटक संगीत के समृद्धि में योगदानों का विस्तृत विवरण दीजिए।

6. पं. रविशंकर के जीवन और सांगीतिक यात्रा का वर्णन कीजिए।

7. विदुषी सुमति मुटाटकर का भारतीय संगीत के प्रचार व प्रसार में किये गये प्रयासों का वर्णन कीजिए।

8. मध्यकालीन ग्रन्थ 'चतुर्दण्डी प्रकाशिका' के सामग्री की विस्तार से चर्चा कीजिए।

9. राग बिहाग और राग केदार के बारे में विस्तृत जानकारी दीजिए।

10. उस्ताद अमीर खाँ के गायन शैली तथा हिन्दुस्तानी संगीत में उनके योगदान के बारे में वर्णन कीजिए।

11. धमार और आडा चौताल का विवरण देते हुए इन दोनों तालों के ठेके बताइये।

12. विदुषी गंगु बाई हंगल के जीवन वृत्तान्त का विस्तार से वर्णन कीजिए।

× × × × ×